17 कंपनियों से मिले ₹1.15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में नई कंपनियां को बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस खोले जाएंगे। साथ ही इस सेक्टर में स्टार्टअप और इनक्यूबेटर के नए सेंटर्स बनाए जाएंगे। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस और इनक्यूबेटर स्थापित करने के पीछे राज्य सरकार की मंशा है कि ग्रीन हाइड्रोजन की कीमतों को कम किया जा सके, जिससे इसका अधिक से अधिक उपयोग इंडस्ट्री में किया जाए।

ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में अब तक यूपीनेडा को डेढ़ दर्जन से अधिक कंपनियों ने प्रस्ताव दिए हैं, जिससे करीब ₹1.15 लाख करोड़ का निवेश होगा। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग ऐसे उद्योगों में किया जाएगा, जो प्रदूषण की एक बड़ी वजह हैं। सरकार ने 2029 तक प्रतिवर्ष एक मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

ये कंपनियां करेंगी ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में निवेश : यूनाइटेड किंगडम की ट्राफलगर स्क्वॉयर कैपिटल लखनऊ के पास 10,000 टन प्रति वर्ष ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए प्लांट लगाएगी। इसके अतिरिक्त वेलस्पन ग्रुप, बुलंदशहर में ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया प्लांट लगाएगी। इसके लिए कंपनी ₹40,000 करोड़ का निवेश करेगी। हाइजेनको ग्रीन एनर्जीज़ प्राइवेट लिमिटेड प्रयागराज में ₹16,000 करोड़ के निवेश से 0.2 मिलियन टन का प्लांट लगाएगा।

AI Image

ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर

20,000 रोज़गार के अवसर होंगे सृजित

ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में होने वाले निवेश से 20,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया होंगे। इसमें विशेषकर इंजिनियरिंग सेक्टर के युवाओं को मौका मिलेगा। ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर के विस्तार को देखते हुए राज्य सरकार इस सेक्टर की पॉलिसी में कई बदलाव करने की तैयारी कर रही है।